एक नजर

ट्रेन के एस-2 कोच में मिले तीन लावारिस बैग, 78 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद

गोंडा। ट्रेन में लावारिस सामान मिलने से यात्रियों में अक्सर अफरा-तफरी मच जाती है। ऐसा ही मामला छह नवंबर को गोंडा रेलवे स्टेशन पर सामने आया, जहां ट्रेन के एस-2 कोच में शौचालय के पास रखे तीन लावारिस बैगों की तलाशी लेने पर उनमें 78 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और अपराध आसूचना शाखा (सीआईबी) की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन सतर्क के तहत यह कार्रवाई की। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 53,500 रुपये बताई गई है। शराब को दो ट्रॉली बैग और एक पिट्ठू बैग में छिपाकर रखा गया था। हालांकि, बैगों पर किसी यात्री ने अपना दावा नहीं किया।आरपीएफ की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, लखनऊ के निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक अनिरुद्ध राय के मार्गदर्शन में सहायक उपनिरीक्षक रामदत्त प्रसाद टीम के साथ ट्रेन संख्या 15274 में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान ट्रेन के गोंडा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंचने पर कोच संख्या एस-2 के शौचालय के पास दो ट्रॉली बैग और एक पिट्ठू बैग लावारिस हालत में मिले। संदेह होने पर टीम ने बैगों की तलाशी ली तो उनमें अलग-अलग ब्रांड की कुल 78 बोतल अंग्रेजी शराब मिली।आसपास मौजूद यात्रियों से बैगों के संबंध में पूछताछ की गई, लेकिनकिसी ने भी उन्हें अपना नहीं बताया। इसके बाद सुबह करीब 6:40 बजे आरपीएफ ने शराब सहित तीनों बैगों को कब्जे में ले लिया। बरामद शराब को आवश्यक अग्रिम कार्रवाई के लिए राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) गोंडा के सुपुर्द कर दिया गया।बरामद शराब में रॉयल स्टैग की 10, मैजिक मोमेंट की 12, सिग्नेचर की 750 एमएल की 12 तथा 380 एमएल की 44 बोतलें शामिल हैं। संयुक्त कार्रवाई करने वाली टीम में निरीक्षक अनिरुद्ध राय, सहायक उपनिरीक्षक रामदत्त प्रसाद, हेड कांस्टेबल संजय सिंह, स्कॉर्ट पार्टी के राम मिलन, पप्पू कुमार साह और उमेश यादव, सीआईबी के अमित सिंह तथा जीआरपी के हेड कांस्टेबल मनोज कुमार शामिल रहे।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच पहुंचीं मंडलायुक्त, बांटीं दीपावली की खुशियां



गोंडा। दीपावली की खुशियां समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने की पहल करते हुए मंडलायुक्त देवीपाटन मंडल दुर्गा शक्ति नागपाल ने गोंडा स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच पहुंचकर दीपोत्सव मनाया। उन्होंने वृद्धजनों को मिठाई, फल और शॉल भेंटकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखमय और दीर्घायु जीवन की कामना की।इस दौरान मंडलायुक्त ने बुजुर्गों से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना। उनके रहन-सहन, स्वास्थ्य, भोजन और वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना।मंडलायुक्त ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और उत्सव मनाने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव, करुणा और खुशियां बांटने का भी संदेश देती है। त्योहार की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर बुजुर्गों, जरूरतमंदों और वंचितों के साथ खुशियां साझा की जाएं। बुजुर्ग परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, मार्गदर्शन और आशीर्वाद का विशेष महत्व है। उनके प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और आत्मीयता बनाए रखना सभी का दायित्व है।उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को सम्मानजनक वातावरण, अपनापन और भावनात्मक सहयोग मिलना चाहिए, ताकि उन्हें अकेलेपन अथवा उपेक्षा का अहसास न हो। उनके बीच समय बिताना और उनकी खुशियों में सहभागी बनना सकारात्मक सामाजिक पहल है।मंडलायुक्त के इस आत्मीय व्यवहार से वृद्धाश्रम का माहौल खुशियों और उल्लास से सराबोर हो गया। बुजुर्गों ने भी उनके इस अपनत्व पर प्रसन्नता जताते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया।

76 गुमशुदा मोबाइल की खोजबीन कर मालिकों को किया गया वापस

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर सर्विलांस सेल व जिले के सभी थानो की टीम ने अभियान चलाकर 76 लोगों के गुम हुए मोबाइल फोन खोजकर उनके मालिकों को लौटा दिए। इन फोन की अनुमानित कीमत 22 लाख 40 हजार रुपये है। टीम ने सीईआईआर पोर्टल पर मिली शिकायतों और लोगों के आवेदन के आधार पर फोन तलाशे। मोबाइल के ड्डस्ध्वड्ड नंबर, लोकेशन और नेटवर्क डेटा का विश्लेषण कर 76 फोन खोजे गए। सभी फोन 7 नवंबर को उनके मालिकों को सौंप दिए गए। फोन लेने आए लोगों को साइबर अपराध से बचने की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने अनजान लिंक पर क्लिक न करने और ओटीपी या बैंक की गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करने की सलाह दी। साइबर ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने को कहा।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने सर्विलांस सेल और ष्टश्वड्ढक पोर्टल पर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना की।

कार्यकारिणी के अन्य सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचित हुए प्रत्याशी

श्रावस्ती। माडल डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन श्रावस्ती की नई कार्यकारिणी चुनाव में अध्यक्ष, महामंत्री व संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) पद पर मतदान होगा। कार्यकारिणी के अन्य सभी पदों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।एल्डर कमेटी के चेयरमैन सालिकराम पाण्डेय ने बताया कि शनिवार को मध्य उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी महेश कुमार मिश्र ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया है तथा कनिष्ठ सदस्य के प्रत्याशी मोहम्मद सलीम राइनी ने भी अपना नामांकन वापस ले लिया है। श्री पाण्डेय ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मोहम्मद नसीम, मध्य उपाध्यक्ष पद पर अमरेन्द्र सिंह व हरिकेश आर्य तथा कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर देवेन्द्र कुमार यादव व राधेश्याम यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। कोषाध्यक्ष पद पर सदानंद त्रिपाठी, संयुक्त मंत्री (प्रशासन) पद पर रत्नेश्वर पाण्डेय तथा संयुक्त मंत्री (पुस्तकालय) पद पर मोहम्मद नफीस निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। वहीं वरिष्ठ सदस्य पदों पर मोहम्मद अरशद, जगदीश प्रसाद, राजीव टंडन, धर्मराज पाठक, शमीम रायनी व नीरज कुमार पाण्डेय तथा कनिष्ठ सदस्य पदों पर भवानी प्रसाद गोस्वामी, अंकित कुमार शुक्ल, रवीश कुमार पाठक, प्रदीप कुमार शर्मा, शिवराम साहू व दिनेश कुमार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।श्री पाण्डेय ने बताया कि 21 नवम्बर को होने वाले मतदान में अध्यक्ष पद पर राम पारस भार्गव, दिनेश कुमार पाठक, दिलीप कुमार तिवारी व विनोद कुमार श्रीवास्तव के बीच मुकाबला है। वहीं महामंत्री पद पर अभिषेक त्रिपाठी, चन्द्र कुमार मिश्र व वेदप्रकाश मिश्र के बीच लड़ाई होगी तथा संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) पद पर मेराज अहमद व हिमांशु मिश्रा के बीच आमने सामने की टक्कर होगी।

त्यौहार के मद्देनजर डीएम व एसपी ने किया पैदल मार्च

श्रावस्ती। दीपावली पर्व पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीएम अन्नपूर्णा गर्ग और एसपी राहुल भाटी ने इकौना थाना क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया।इस दौरान अधिकारियों ने प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।पैदल मार्च के दौरान डीएम अन्नपूर्णा गर्ग एसपी राहुल भाटी ने व्यापारियों एवं स्थानीय लोगों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही दीपावली का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।जिले के अधिकारियों ने संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को त्योहार के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने, संवेदनशील स्थानों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में निगरानी रखने तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 110 शिकायतें प्राप्त, पांच का मौके पर निस्तारण



गोण्डा। शासन की मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का एक ही स्थान पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील गोण्डा सदर में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया।समाधान दिवस में गोण्डा सदर तहसील में कुल 110 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से पांच का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 105 शिकायतों के संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्थलीय जांच कराते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने तथा निस्तारण आख्या समय से तहसील में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित विभागों की संयुक्त टीमें गठित की जाएं।

टीम मौके पर जाकर दोनों पक्षों को बुलाए और उनकी समस्याएं सुनने के बाद निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ निस्तारण सुनिश्चित करे। उन्होंने विशेष रूप से अवैध अतिक्रमण, चकरोड, नाली, तालाब की भूमि की पैमाइश तथा अवैध कब्जे से संबंधित मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को भी मौके पर बुलाया जाए और उसके उपस्थित होने अथवा अनुपस्थित रहने का स्पष्ट उल्लेख अभिलेखों में किया जाए। निस्तारण की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों पर नहीं, बल्कि मौके पर जाकर संतुष्टिपरक ढंग से किया जाए। इसमें लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर संबंधित विभाग के अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।समाधान दिवस के समापन पर जिलाधिकारी ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतलाल, उपजिलाधिकारी सदर जितेंद्र गौतम, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए सुशील कुमार पांडेय, जिला पंचायत राज अधिकारी जीडी जैन, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

त्योहारों के दृष्टिगत महर्षि बालार्क चिकित्सालय में रहेंगी चाक-चौबन्द स्वास्थ्य सेवाएं

बहराइच। मेडिकल कालेज एवं महर्षि बालार्क चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस.के. वर्मा ने बताया कि मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, शासन व जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर दीपावली, छठ पूजा व आगामी त्योहारों के दृष्टिगत स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के दृष्टिगत मरीजों को बेहतर एवं त्वरित चिकित्सा सुविध उपलब्ध कराने के लिए महाराजा सुहेल देव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं महर्षि बालार्क चिकित्सालय बहराइच में विशेष स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। आपातकालीन मरीजों के उपचार के लिए 10 बर्न वार्ड, 10 जिरेटिक वार्ड, 05 आईसीयू वर्ड के अलावा विशेष बेड/वार्ड आरक्षित किया गया है। अस्पताल प्रशासन द्वारा विशेष रूप से पटाखों से जलने, आग से झुलवत आंखों में चोट अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओं से संबंधित मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

एनटीपीसी टांडा में हर्षोल्लास के साथ मना 52वां स्थापना दिवस, कर्मचारियों ने लिया नई उपलब्धियों का संकल्प



अम्बेडकरनगर। एनटीपीसी टांडा में शनिवार 7 नवंबर को एनटीपीसी का 52वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में अधिकारियों कर्मचारियों सहयोगियों और गरिमा महिला मंडल की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे कार्यक्रम में संगठन के प्रति गौरव एकजुटता और आपसी सौहार्द का माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परियोजना प्रमुख राजीव सिन्हा ने एनटीपीसी की गौरवशाली विकास यात्रा उपलब्धियों और देश के ऊर्जा क्षेत्र में उसके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी की निरंतर प्रगति और सफलता के पीछे कर्मचारियों एवं सहयोगियों की मेहनत समर्पण और सामूहिक प्रयासों की अहम भूमिका रही है।उन्होंने सभी कर्मचारियों से संगठन के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए पूरी निष्ठा लगन और टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के साझा प्रयासों से एनटीपीसी भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा।समारोह में उपस्थित कर्मचारियों एवं सहयोगियों ने संस्थान की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए भविष्य की चुनौतियों का मिलकर सामना करने का संकल्प लिया। गरिमा महिला मंडल की सदस्यों की सहभागिता ने आयोजन को और भी उत्सवी स्वरूप प्रदान किया। स्थापना दिवस समारोह एनटीपीसी परिवार की एकजुटता समर्पण और उज्ज्वल भविष्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील नानपारा में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस



बहराइच। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु प्रत्येक माह के प्रथम और तीसरे शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में तहसील नानपारा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, उपजिलाधिकारी प्रकाश सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम वसंबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए।डीएम श्री पाण्डेय ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाये। डीएम ने कहा कि निस्तारण की कार्यवाही इस प्रकार की जाय कि फरियादी निस्तारण की कार्यवाही से संतुष्ट हो सके। डीएम ने निर्देशित किया जनसुनवाई में आने वाले सभी गरीब, ज़रूरतमन्द तथा असहाय लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाये तथा उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं से लाभान्वित करें। साथ ही प्राप्त जनशिकायतों के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मौके पर जाकर शिकायतों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए तथा नियमानुसार एवं समयबद्ध ढंग से उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निस्तारित प्रार्थना-पत्रों की आख्या निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। गंभीर एवं जटिल प्रकृति की कुछ शिकायतों के प्रभावी निस्तारण हेतु अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजा गया, जिससे स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।इस अवसर पर डीएसओ नरेन्द्र तिवारी, डीपीआरओ चन्द्रभान सिंह, जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ला, एलडीएम जितेन्द्र मंसद व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, बीईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा एवं आमजन को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

बहराइच। महापर्व धनतेरस एवं दीपावली के दृष्टिगत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा शुक्रवार रात्रि थाना कोतवाली नगर एवं थाना दरगाह शरीफ क्षेत्रांतर्गत घंटाघर चौराहे से छावनी चौराहे तक पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की गई। इस दौरान प्रमुख बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा पुलिस की सक्रिय उपस्थिति के माध्यम से आमजन में सुरक्षा का विश्वास सुदृढ़ करने एवं असामाजिक तत्वों तथा संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।पैदल गश्त के दौरान सर्राफा व्यापारियों एवं स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम जानी गई तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों को भीड़भाड़ वाले स्थानों ं बाजारों में विशेष सतर्कता बरतने, यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने हेतु तत्पर रहने के निर्देश दिए गऐ।

वर्दी की हनक या कानून का राज ? पंडितपुरवा में आरपीएफ की कार्यप्रणाली पर उठे

शैलेन्द्र मिश्र के साथ कथित मारपीट और पत्नी से अभद्रता का मामला; शिकायत के बावजूद कार्रवाई पर सवाल, आरपीएफ प्रभारी ने जवानों से गलती होने की बात स्वीकारी

(डा. जी सी श्रीवास्तव)

गोण्डा। कानून की रक्षा की जिम्मेदारी जिन कंधों पर है, यदि उन्हीं की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ जाए तो आम नागरिक न्याय की उम्मीद किससे करे? देवीपाटन मंडल मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूर स्थित धनौली के मजरा पंडितपुरवा में 12 अक्टूबर की रात हुई घटना ने इसी सवाल को फिर खड़ा कर दिया है।गांव निवासी प्रहलाद मिश्र होम गार्ड के बेटे शैलेन्द्र मिश्र के साथ आरपीएफ जवानों द्वारा कथित मारपीट और उसकी पत्नी के साथ अभद्रता किए जाने का मामला अब केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं रह गया है। यह रेलवे लाइन से घिरे पूरे गांव की सुरक्षा, सम्मान और आवागमन के अधिकार से जुड़ा सवाल बन चुका है।पीड़ित पक्ष की ओर से घटना के संबंध में लिखित तहरीर दी गई। परिजनों का आरोप है कि गंभीर रूप से घायल शैलेन्द्र को ग्रामीणों ने किसी तरह अस्पताल पहुंचाया, लेकिन शिकायत के बावजूद मामले में तत्काल मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। पहले जांच और फिर मामले को सुलझाने के दबाव के बीच समय गुजरता रहा।

इस संबंध में आरपीएफ प्रभारी से दूरभाष पर बात की गई तो उन्होंने जवानों से कुछ गलती होने की बात स्वीकार की, हालांकि नशे में होने के आरोप को उन्होंने पूरी तरह से खारिज किया। उनका कहना था कि मारपीट दोनों तरफ से हुई थी और संबंधित जवान ने रेलवे अस्पताल में मेडिकल परीक्षण भी कराया है।लेकिन यहां कुछ बुनियादी सवाल अनुत्तरित हैं। यदि मारपीट दोनों तरफ से हुई तो आरपीएफ की ओर से शैलेन्द्र के खिलाफ क्या लिखित शिकायत दी गई? जवानों के नशे में होने के आरोप की जांच किसने की? पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करने के बजाय उसे जांच और समझौते के बीच क्यों उलझाए रखा गया? आरपीएफ प्रभारी द्वारा जवानों की गलती स्वीकार किए जाने के बाद विभाग ने क्या कार्रवाई की?

एक परिवार नहीं, पूरे गांव की सुरक्षा का सवाल

पंडितपुरवा के ग्रामीण पहले से ही रेलवे लाइनों के बीच सीमित आवागमन और जलभराव वाले अंडरपास की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि अपने ही गांव आने-जाने के दौरान उन्हें रेलवे सुरक्षा कर्मियों के कथित दुर्व्यवहार का सामना करना पड़े तो यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

ग्रामीणों की मांग है कि घटना की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार को न्याय मिले और भविष्य में किसी अन्य ग्रामीण को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े, इसके लिए रेलवे प्रशासन सुरक्षित आवागमन की स्थायी व्यवस्था करे।सवाल साफ है—रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन क्या उस सुरक्षा व्यवस्था में आम नागरिकों के सम्मान और अधिकारों की कोई जगह नहीं?

वर्दी को कानून लागू करने का अधिकार मिला है, कानून से ऊपर होने का नहीं।अब देखना यह है कि रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और जिला प्रशासन इस मामले को एक परिवार की शिकायत मानकर टालते हैं या एक हजार से अधिक आबादी वाले गांव की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े गंभीर सवाल के रूप में लेते हैं।

एक नजर

टांडा के दरवेशपुर में जमीन पर कब्जे को लेकर बवाल, ईंटें फेंकने और दंपती से मारपीट का आरोप

अम्बेडकरनगर। टांडा तहसील क्षेत्र के इब्राहिमपुर थाना अंतर्गत दरवेशपुर गांव में जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। पीड़ित रवींद्र वर्मा ने आरोप लगाया है कि दीपावली से एक दिन पहले विपक्षियों ने 20 से 26 लोगों के साथ पहुंचकर उसकी खतौनी की जमीन पर रखी ईंटों को उठाकर झाड़ियों में फेंक दिया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसकी पत्नी सविता वर्मा को भी पीटा गया। पीड़ित ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।शिकायती पत्र के मुताबिक दरवेशपुर निवासी रवींद्र वर्मा पुत्र स्वर्गीय रामतीर्थ वर्मा का गाटा संख्या 123 की जमीन पर पट्टे और घरौनी के आधारपर दावा है। पीड़ित का कहना है कि उसने करीब एक वर्ष पहले उक्त भूमि पर ईंटें गिरवाई थीं। इसी जमीन को लेकर विपक्षियों द्वारा दीवानी न्यायालय में मुकदमा भी दायर किया गया हैए जो विचाराधीन है। आरोप है कि सात नवंबर की सुबह करीब नौ बजे मनोज वर्मा पुत्र साधूराम वर्मा और विपिन वर्मा पुत्र देवनारायण वर्मा करीब 20 से 26 लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और वहां रखी ईंटों को उठाकर झाड़ियों में फेंकने लगे। विरोध करने पर रवींद्र और उसकी पत्नी के साथ मारपीट की गई जिसमें महिला को चोटें आईं।पीड़ित के अनुसार पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है। वायरल वीडियो में कुछ लोग दीवार के किनारे रखी ईंटों को हटाते और एक महिला को विरोध करते हुए देखा जा सकता है। पीड़ित का आरोप है कि घटना के दौरान उसने डायल 112 पर सूचना दी लेकिन पुलिस करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची। उसका यह भी आरोप है कि पुलिस को पहले से विवाद की जानकारी होने के बावजूद समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।घटना के बाद पीड़ित परिवार में भय का माहौल है। उसे आशंका है कि विपक्षी दोबारा हमला कर सकते हैं। पीड़ित ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और अपनी जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। हालांकि मामले में पुलिस और आरोपित पक्ष का बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में प्रशासनिक कार्रवाई और पुलिस की जांच के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बवासीर के इलाज के लिए तीन बार हुआ ऑपरेशन, जांच अधिकारी पर फोन से ही जांच पूरी करने का आरोप

अम्बेडकरनगर। टांडा रोड स्थित आरोग्य पाइल्स हॉस्पिटल में कथित चिकित्सकीय लापरवाही का मामला सामने आया है। पीड़ित अकशीस ने आरोप लगाया है कि बवासीर की बीमारी के उपचार के दौरान उसे एक.दो बार नहीं बल्कि तीन बार ऑपरेशन कराना पड़ा। इसके बावजूद उसे राहत नहीं मिली। पीड़ित ने अस्पताल के उपचार और मामले की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं।पीड़ित का आरोप है कि मामले की जांच करने वाले अधिकारी ने अस्पताल पहुंचकर न तो चिकित्सकीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया और न ही उससे संबंधित मेडिकल अभिलेखों की समुचित जांच की। पारिवारिक हादसे और खराब स्वास्थ्य के कारण जब वह जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित नहीं हो सका तो कथित तौर पर फोन पर ही उससे बातचीत कर जांच पूरी कर ली गई। इसके बाद रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर दी गई।पीड़ित ने सवाल उठाया है कि गंभीर चिकित्सकीय शिकायत की जांच केवल फोन पर बातचीत के आधार पर कैसे पूरी की जा सकती है उसका कहना है कि तीन बार ऑपरेशन कराने जैसी गंभीर स्थिति में मेडिकल फाइल उपचार संबंधी दस्तावेज और चिकित्सकीय तथ्यों की निष्पक्ष जांच जरूरी थी। केवल फोन पर बातचीत के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट से उसे संतुष्टि नहीं मिली है।अब पीड़ित ने न्याय की उम्मीद में आयुर्वेदिक अधिकारी से दोबारा गुहार लगाई है। उसने मांग की है कि उसके बयान दर्ज किए जाएं और मेडिकल अभिलेखों की जांच कर पूरे मामले की निष्पक्ष समीक्षा की जाए। फिलहाल मामले में अस्पताल प्रबंधन और संबंधित जांच अधिकारी का पक्ष सामने आना बाकी है। ऐसे में जांच की पारदर्शिता और पीड़ित की शिकायत पर विभागीय कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

अन्धकार पर प्रकाश के जीत का पर्व दीपावली आज

(परितोष मिश्र)

श्रावस्ती। जनपद में इस वर्ष दीपावली का त्योहार अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। भगवान बुद्ध की तपोस्थली और जैन तीर्थंकरों की ऐतिहासिक भूमि श्रावस्ती प्रकाश पर्व के उल्लास में पूरी तरह सराबोर नजर आ रही है। जिला मुख्यालय भिनगा से लेकर ग्रामीण अंचलों तक, हर घर और प्रतिष्ठान रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक मिट्टी के दीयों की खरीददारी की जा रही है।त्योहार को लेकर जनपद के प्रमुख बाजारों में इस बार भारी भीड़ देखी गई। भिनगा मुख्य बाजार, इकौना, गिलौला और सेमगड़ा चौराहे पर सुबह से ही खरीदारों का तांता लगा रहा। इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा बाजार, ऑटोमोबाइल और बर्तनों की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी। दीपावली के लिए विशेष रूप से सजे सजावटी सामान, कृत्रिम लाइटें और गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियों की दुकानों पर महिलाओं और बच्चों ने जमकर खरीदारी की। वहीं स्थानीय कुम्हारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीयों की मांग भी इस बार काफी अधिक रही, जिससे स्थानीय कारोबारियों के चेहरे खिले नजर आए। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस धनतेरस और दीपावली पर जनपद में करोड़ों रुपये का व्यापार हुआ है। त्योहार के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रावस्ती पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के सभी प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले बाजारों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।जनपदवासियों ने एक-दूसरे को मिठाई बांटकर और गले मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर भी बधाई संदेशों का तांता लगा रहा।प्रशासन ने आम जनता से शांतिपूर्ण और पर्यावरण-अनुकूल दीपावली मनाने की अपील की है।

किसान परेशान

गिरंट बाजार श्रावस्ती। जमुनहा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत पटपरगंज के मिर्जापुर गांव में वर्ष 2021-2022 से धान व गेंहू क्रय केंद्र बनता चला आ रहा है। जहां करीब चार सौ से अधिक किसानों का धान,गेंहू अपने नजदीकी सरकारी कांटे पर आसानी से तौल हो जाती थी और सरकार से अच्छे भाव का दाम मिल जाता था। किन्तु इस वर्ष 2026-2027 के लिए मिर्जापुर के नाम से धान खरीद क्रय केंद्र तो बनाया गया है। परन्तु 10 किलोमीटर दूर नासिरगंज खुले धान क्रय केंद्र से अटैच कर दिया गया है। जिससे किसान परेशान हैं।किसानों की मानें तो मिर्जापुर नजदीकी कांटा था यहां आसानी से धान की तौल हो जाती थी समय की बचत होती थी अब 10 किलोमीटर दूरी होने के नाते समय भी अधिक लगेगा और टैक्टर ट्राली से धान लादकर पहुंचाने में डीजल भी अधिक खर्च होगा। जब हमारे यहां सरकारी कांटा मिर्जापुर के नाम से खुला है वहीं नासिर गंज में पहले से धान क्रय केंद्र बना हुआ है तो यहां हमारे यहां का धान क्रय केंद्र वहां क्यों अटैच किया गया है।

ट्रैक्टर ने मारी ठोकर लड़की का पैर टूटा

गिरंट बाजार श्रावस्ती। थाना हरदत्त नगर गिरंट के धन्नीपुरवा बुध बाजार चौराहा पर शनिवार साप्ताहिक बाजार लगती है जिसके कारण सड़क पर दुकानों और सब्जी खरीदने वाले ग्रहकों की भीड़ रहती है। शनिवार शाम को मिर्जापुर चौराहे से जोताई करके ट्रैक्टर जा रहा था तभी धन्नीपुरवा बुध बाजार के 16 वर्षीय निशा मौर्या पुत्री धुप कुमार मौर्या की लड़की निशा घर के सामने कुछ सामान लेने के लिए सड़क पर खड़ी थी कि टैक्टर चालक अनियंत्